

अध्याय - 12 | आलस्यं हि मनुष्याणां शरीरस्थः महान् रिपुः

QUIZ
PART-03

1. धनिक ने सबसे पहले भिक्षुक को कितने रुपये देने की बात कही?

- A. दश रुप्यकाणि
B. शतं रुप्यकाणि
C. पञ्चशतं रुप्यकाणि
D. सहस्रं रुप्यकाणि (D)

व्याख्या: धनिक ने एक हजार रुपये देने का प्रस्ताव रखा।

2. एक हजार रुपये के बदले धनिक ने क्या माँगा?

- A. हस्तौ
B. पादौ
C. नेत्रे
D. कर्णौ (B)

व्याख्या: धनिक ने कहा—“त्वं मह्यं तव पादौ यच्छ।”

3. भिक्षुक ने पाँव देने से क्यों मना किया?

- A. पाँवों के बिना वह चल नहीं सकता था।
B. पाँवों के बिना वह सुन नहीं सकता था।
C. पाँवों के बिना वह देख नहीं सकता था।
D. पाँवों के बिना वह बोल नहीं सकता था। (A)

व्याख्या: भिक्षुक पूछता है—“विना पादौ कथं वा चलामि?”

4. हाथों के बदले धनिक ने कितने रुपये देने की बात कही?

- A. सहस्रं रुप्यकाणि
B. द्विसहस्रं रुप्यकाणि
C. पञ्चसहस्रं रुप्यकाणि
D. दशसहस्रं रुप्यकाणि (C)

व्याख्या: धनिक ने हाथों के लिए पाँच हजार रुपये देने का प्रस्ताव दिया।

5. भिक्षुक ने हाथ देने से क्यों मना किया?

- A. वह हाथों से चलता था।
B. वह हाथों से सुनता था।
C. वह हाथों से देखता था।
D. हाथों के बिना वह भिक्षा स्वीकार नहीं कर सकता था। (D)

व्याख्या: उसने कहा—“हस्ताभ्यां विना अहं कथं भिक्षां स्वीकरोमि?”

6. धनिक भिक्षुक से क्या खरीदना चाहता था?

- A. उसके वस्त्र
B. उसके अनेक शरीराङ्ग
C. उसका घर
D. उसका भिक्षापात्र (B)

व्याख्या: धनिक ने अधिक धन देकर उसके अनेक शारीरिक अंग खरीदने का प्रस्ताव रखा।

7. “सहस्राधिकैः रुप्यकैः” का अर्थ क्या है?

- A. हजारों रुपयों से
B. दस रुपयों से
C. बिना रुपयों के
D. केवल एक रुपये से (A)

व्याख्या: “सहस्राधिक” का अर्थ है—हजार या हजार से अधिक।

8. शरीर के अंगों को बेचने के प्रस्ताव पर भिक्षुक ने क्या किया?

- A. प्रस्ताव स्वीकार कर लिया
B. केवल हाथ बेच दिए
C. प्रस्ताव अस्वीकार कर दिया
D. केवल पाँव बेच दिए (C)

व्याख्या: पाठ में “भिक्षुकः निराकृतवान्” कहा गया है।

9. धनिक ने भिक्षुक को किस सम्बोधन से पुकारा?

- A. आर्य
B. बालक
C. भ्रातः
D. मित्र (D)

व्याख्या: धनिक कहता है—“पश्य मित्र!”

10. धनिक के अनुसार भिक्षुक के पास पहले से ही हजारों रुपये मूल्य की कौन-सी वस्तुएँ थीं?

- A. उसके वस्त्र और पात्र
B. उसके शरीर के अंग
C. उसका घर और भूमि
D. उसके आभूषण (B)

व्याख्या: धनिक ने समझाया कि स्वस्थ शरीर के अंग स्वयं अत्यन्त मूल्यवान हैं।